भारत सरकार
गृह मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3849
दिनांक 11 अगस्त, 2026/20 श्रावण, 1948 (शक) को उत्तर के लिए

राष्ट्रीय आपदा शमन निधि

†3849. श्री अरुण नेहरू:

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पेरम्बलूर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के विशेष संदर्भ में, तमिलनाडु में विगत तीन वर्षों के दौरान राष्ट्रीय आपदा शमन निधि और अन्य केंद्र प्रायोजित आपदा शमन कार्यक्रमों के तहत सुदृढ़ की गई विशिष्ट सार्वजनिक सुरक्षा क्षमताओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) विगत तीन वर्षों के दौरान सूखा राहत तथा बाढ़ से संरक्षण के लिए राष्ट्रीय आपदा शमन निधि से पेरम्बलूर के जिला आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठों को वितरित किए गए कुल वित्तीय अनुदानों का ब्यौरा क्या है;

(ग) पेरम्बलूर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के आपदा-संभावित और निचले ग्रामीण खंडों में निर्मित या उन्नत किए गए बहुउद्देश्यीय आपदा आश्रयों की कुल संख्या कितनी है;

(घ) क्या राज्य में आपातकालीन सामुदायिक तैयारियों का परीक्षण करने के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ़) द्वारा कोई संयुक्त मॉक ड्रिल आयोजित की गई है; और

(ङ) उन्नत प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियाँ स्थापित करने के लिए कौन से उपाय लागू किए गए हैं?

उत्तर

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री नित्यानंद राय)

(क) से (ख): राष्ट्रीय आपदा शमन कोष (एनडीएमएफ) के अंतर्गत तमिलनाडु राज्य को भारत सरकार द्वारा अनुमोदित शमन परियोजनाओं एवं इनके लिए स्वीकृत एवं जारी की गई केन्द्रीय वित्तीय सहायता का ब्यौरा, अनुलग्नक में दिया गया है।

(ग): बहुउद्देशीय आपदा आश्रयों के निर्माण हेतु भारत सरकार की राष्ट्रीय चक्रवात जोखिम शमन परियोजना (एनसीआरएमपी) के अंतर्गत तमिलनाडु राज्य को शामिल नहीं किया गया था।

लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 3849, दिनांक 11.08.2026

(घ): राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) राज्य सरकार, जिला प्रशासन तथा अन्य आपदा प्रबंधन हितधारकों के समन्वय से आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमता एवं सामुदायिक तैयारियों का परीक्षण करने के उद्देश्य से नियमित रूप से संयुक्त मॉक अभ्यास आयोजित करता है। विगत तीन वर्षों के दौरान एनडीआरएफ की इकाइयों द्वारा तमिलनाडु राज्य में 22 मॉक अभ्यास आयोजित किए गए हैं।

(ङ): भारत सरकार ने चक्रवात, बाढ़, सुनामी आदि जैसी विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं का पूर्वानुमान लगाने हेतु एक सुदृढ़ एवं प्रभावी पूर्व चेतावनी प्रणाली विकसित की है। कॉमन अलर्टिंग प्रोटोकॉल आधारित एकीकृत चेतावनी प्रणाली के माध्यम से एसएमएस, दूरदर्शन, रेडियो, भारतीय रेल, तटीय सायरन तथा सभी चेतावनी एजेंसियों के एकीकरण सहित विभिन्न माध्यमों द्वारा आपदाओं से संबंधित भौगोलिक-लक्षित पूर्व चेतावनियों/अलर्ट का प्रसार प्रारंभ किया गया है। इसके अतिरिक्त, ऐसे आपदा घटनाक्रमों के संबंध में, जिनमें अत्यल्प समयावधि में तत्काल चेतावनी जारी किया जाना आवश्यक होता है, नागरिकों को समयबद्ध सूचना उपलब्ध कराने के लिए सेल ब्रॉडकास्ट अलर्ट सिस्टम भी प्रारंभ किया गया है।

***

लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 3849, दिनांक 11.08.2026

अनुलग्नक

राष्ट्रीय आपदा शमन कोष (NDMF) के अंतर्गत शमन परियोजनाओं का विवरण

(रुपये करोड़ में)

क्र.सं.	परियोजना	आच्छादित जिला	स्वीकृत कुल परियोजना लागत	एनडीएमएफ के अंतर्गत स्वीकृत केंद्रीय अंश	एनडीएमएफ के अंतर्गत जारी केंद्रीय अंश
1.	वनाग्नि जोखिम प्रबंधन हेतु न्यूनीकरण योजना	नीलगिरि, थेनी एवं तिरुपत्तूर	12.49	9.48	9.37
2.	सर्वाधिक सूखा-प्रवण 12 जिलों हेतु उत्प्रेरक सहायता	रामनाथपुरम, शिवगंगा एवं विरुधुनगर	224.30	100.00	50.00
3.	राष्ट्रीय भूस्खलन जोखिम न्यूनीकरण परियोजना	कोयंबटूर एवं नीलगिरि	50.00	45.00	0.00
4.	पंचायती राज संस्थाओं में सामुदायिक आधारित आपदा जोखिम न्यूनीकरण पहलों के सुदृढ़ीकरण हेतु राष्ट्रीय परियोजना	नागपट्टिनम, रामनाथपुरम, तिरुनेलवेली, कडलूर एवं थूथुकुडी	24.73	24.73 (राज्य तथा पंचायती राज मंत्रालय के अंश सहित)	0.00
5.	शहरी बाढ़ जोखिम प्रबंधन कार्यक्रम	चेन्नई	561.29	500.00	331.50

***